शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में मनाया गया ''पृथ्वी दिवस'' (दिनांक 22/4/19)

दिनांक 22 अप्रेल 2019 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में ''पृथ्वी दिवस'' मनाया गया। जिसमें स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि, पर्यावरण प्रेमियों सहित संस्थान के अधिकारियों/ वैज्ञानिकों/ कर्मचारियों/ शोधार्थियों की सहभागिता रही। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्थान परिसर में अर्जुन एवं बोगेन्वेलिया का पौधारोपण किया गया। इसके बाद संस्थान के सभागार में कार्यक्रम रखा गया ।

इस वर्ष का विषय (Theme) ''हमारी प्रजातियों की सुरक्षा'' (Protect Our Species) था । इस अवसर पर मुख्य अतिथि रूपायन संस्थान, जोधपुर के सचिव श्री कुलदीप कोठारी ने पृथ्वी दिवस के बारे में चर्चा करते हुए पर्यावरण के संबंध में दोहे और गानों का जिक्र किया। अपने उद्बोधन में श्री कोठारी ने अपने संस्थान द्वारा वनस्पति के उत्पाद जैसे विभिन्न प्रकार के झाड़ू का संरक्षण आदि का उल्लेख किया तथा स्वदेशी प्रजातियों के पौधारोपण पर ज़ोर दिया तथा बताया कि पौधा ऐसा हो जो कि पक्षियों की सेवा करे , जानवरों की सेवा करे और इंसान की भी सेवा करे। उन्होंने अपने संस्थान के पर्यावरण की चर्चा करते हुए बताया कि हम भावी पीढ़ी को जागरूक करें, बच्चों को पौधों की पहचान के बारे में बताया जाए। उन्होंने इस तरह के अनवरत प्रयास की आवश्यकता बतायी जिसमें सभी लोगों की भागीदारी हो। उन्होंने कहा कि यदि वनस्पति (flora) लगायी जाये तो जीव-जन्तु (fauna) अपने आप आ जाएंगे । उन्होंने पानी के सदुपयोग पर भी ज़ोर दिया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच , भा.व.से. ने आगंतुक स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि एवं पर्यावरण प्रेमियों का स्वागत किया तथा स्वयं सेवी संस्था के प्रतिनिधि और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों का जिक्र भी किया। श्री बालोच ने पृथ्वी दिवस के बारे में बताया तथा कहा कि यह ऐसा दिवस है जिसमें सभी दिवस शामिल हैं । श्री बालोच ने जैव-मण्डल की चर्चा करते हुए बताया कि पेड़ पौधे व जीव-जन्तु से संबन्धित चीजों को बचाना है । श्री बालोच ने कहा कि इंसान इतना लालच में आ गया है कि आने वाले समय के लिए जैवविविधता खत्म हो रही है । श्री बालोच ने कहा कि हम ऐसे अवसरों पर पौधे लगाएँ, पौधा बड़ा होता है तो आपको खुशी होगी , पौधों का संरक्षण करें , पौधे बचायेँ तो ही ये दिवस मनाना सफल होगा।

संस्थान के समूह समन्वयक शोध डॉ. इंद्रदेव आर्य ने अपने सम्बोधन में कहा कि पृथ्वी को बचाने के प्रयास के क्रम में पृथ्वी दिवस मना रहे हैं । उन्होंने कहा कि पानी और ऑक्सीज़न का सीधा असर पृथ्वी के रहवासियों पर पड़ता है। कार्बन-डाई-ऑक्साइड बढ़ती जा रही है , पेड़ लगायेंगे तो ऑक्सीज़न प्राप्त होगी , उन्होंने ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि कोशिश करें कि हम अपने आस-पास की जगह में पेड़-पौधे

लगाएँ । डॉ. आर्य ने कई प्रकार की बीमारियों की शुरुआत का जिक्र करते हुए कहा कि हमें पृथ्वी की उचित देखभाल करनी है एवं वैज्ञानिक इस विषय को सुलझाकर (tackle) समाधान कर सकते हैं। डॉ. आर्य ने पानी की समस्या का भी जिक्र किया । डॉ. आर्य ने बताया कि पृथ्वी की जलवायु अलग-अलग तरह की होती है , जिसमें अलग-अलग तरह की वनस्पति पैदा होती है, जिन्हें आगे चलाने के लिए इस विविधता को बनाए रखेंगे तो जलवायु की सुरक्षा में मदद कर सकेंगे।

वैज्ञानिक - जी डॉ. जी. सिंह ने पृथ्वी दिवस की पृष्ठभूमि बताते हुए कहा कि एक अकेली प्रजाति का अस्तित्व नहीं है, हमारे अस्तित्व के लिए दूसरे साथियों/ प्रजातियों की आवश्यकता है । उन्होंने कहा कि पिछले ५०-६० वर्षों में मानव गतिविधियां बढ़ी हैं, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ा है, लालच बढ़ा है, काफी प्रजातियाँ समाप्ति के कगार पर हैं । डॉ. सिंह ने कहा कि विभिन्न प्रजातियाँ अलग-अलग आश्रय स्थल (Habitat) को प्राथमिकता देती हैं, ऐसे क्षेत्रों को बचाने की आवश्यकता है । डॉ. सिंह ने पारितंत्र (Ecosystem) की महत्ता बताते हुए प्रजातियों के संरक्षण की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा बताया कि हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना होगा , तभी आश्रय स्थल (Habitat) बच पाएंगे, तभी प्रजातियों का संरक्षण होगा। उन्होंने कहा कि हम सबको जागरूक होने की आवश्यकता है, ये दिवस भी जागरूकता के लिए मनाये जाते हैं ।

मेहरानगढ़ पहाड़ी पर्यावरण विकास समिति के अध्यक्ष श्री प्रसन्न पुरी गोस्वामी ने कहा कि हमारी संस्कृति/परम्पराओं ने हमारे प्राणियों , जीवधारियों के लिए सुरक्षा का एक अच्छा तंत्र दिया है लेकिन सारा बिखराव हमारे लालच के कारण आया है। जैव-विविधता को भी नष्ट करने का प्रयास किया। श्री गोस्वामी ने कहा कि पृथ्वी की रक्षा का प्रयास करें , पेड़-पौधों को बचाना है, हमारे लालच पर हमें नियंत्रण करना है। केप्टन बाबू खान ने कहा कि पृथ्वी का सबसे बड़ा श्रंगार हरियाली है , पेड़ की अहमियत है , ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगावें, न केवल लगाएँ बल्कि पनपाना भी है , पानी के अनावश्यक उपयोग को रोककर पानी को बचाना है । श्रीमती विमला सियाग ने कहा कि पृथ्वी के लिए कुछ करना है , पृथ्वी के साथी बन कर इसे अच्छा करें , पेड़ लगाएँ, पर्यावरण बचाएं, पर्यावरण के हित में कार्य करें। उन्होंने पेड़ों की महत्ता बताते हुए खेत की बाड पर खाली जगहों पर ऐसे पेड़ लगाने का आह्वान किया जिससे आय बढ़े । श्री ओमप्रकाश राजोरिया ने कहा कि प्रकृति का दोहन जितना करेंगे, हम सबके लिए नुकसानदायक है । उन्होंने पानी की समस्या का जिक्र करते हुए बताया कि पानी की एक-एक बूंद का महत्व समझना चाहिये । श्री राजोरिया ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना चाहिए। श्री मोहम्मद शरीफ ने भी विचार व्यक्त किए। श्री प्रदीप शर्मा एवं श्री पूरण सिंह ने पर्यावरणीय भावों से ओतप्रोत कवितायें सुनायी।

इससे पूर्व विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने पृथ्वी दिवस के बारे में जानकारी दी।

विस्तार प्रभाग के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. बिलास सिंह ने सभी का धन्यवाद दिया। विस्तार प्रभाग की तकनीकी अधिकारी श्रीमती कुसुमलता परिहार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए पृथ्वी दिवस के इतिहास, प्रजातियों का विवरण, पेड़-पौधों एवं जीव-जन्तु के सामंजस्य, जैव-विविधता इत्यादि की चर्चा की।

कार्यक्रम में श्री महिपाल बिशनोंई , तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी , श्रीमती मीता सिंह तोमर, तकनीशियन एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा ।

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
22ND APRIL 2019
THEME
हमारी प्रजातियों की सुरक्षा
PROTECT OUR SPECIES
Organized by

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
THEME
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
THEME
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
THEME
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
22nd APRIL 2019
THEME
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
22nd APRIL 2019
THEME
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
THEME

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
PROTECT OUR SPECIES

पृथ्वी दिवस
EARTH DAY
PROTECT OUR SPECIES